

प्रेषक,

नवीन चन्द्र शर्मा,  
सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

अपर निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तरांचल, गोपेश्वर, चंगोली।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 31 जुलाई, 2006

विषय:- राज्य पशुचिकित्सा परिषद का गठन।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-722/नि0/पशुचि0प0 दिनांक 24 जुलाई, 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में राज्य पशुचिकित्सा परिषद की स्थापना योजनान्तर्गत/विभिन्न मदों में रुपया 5.87 लाख (रुपया पांच लाख सत्तासी हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन निम्नानुसार/व्यय हेतु आपके निर्वतन पर प्राप्ति किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि हजार रुपये में)

मद	आय व्ययक प्राविधान	मांगी जा रही धनराशि
01-वेतन	410	273
03-महंगाई भत्ता	372	98
04-यात्रा व्यय	25	10
06-अन्य भत्ते	45	45
08-कार्यालय व्यय	10	06
09-विद्युत देय	04	04
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छापाई	15	10
13-टेलीफोन पर व्यय	10	01
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल की खरीद	100	03
42-अन्य व्यय	10	01
48-महंगाई वेतन	205	136
कुल योग-	1206	587

(रुपया पांच लाख सत्तासी हजार मात्र)

1. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो राक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये।
2. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित वाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।

3. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
4. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय बालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-101-पशुचिकित्सा सेवारत तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिर्धारित योजनाओं-0101-राज्य पशुचिकित्सा परिषद का गठन के अर्न्तगत प्राथमिक सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
5. यह आदेश वित्त अनुभाग-1 के पत्र संख्या- 308/वित्त अनुभाग-4/2006 दिनांक 27 जुलाई, 2006 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(नवीन चन्द्र शर्मा)  
सचिव

संख्या- 515(1)/XV-1/1(24)/2005-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तरांचल।
4. रजिस्ट्रार वेटनरी काउन्सिल, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
7. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
8. निदेशक, NIC को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से  
(जे०पी० जोशी)  
उप सचिव



3. इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
4. उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय गालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-101-पशुचिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें -0101-राज्य पशुचिकित्सा परिषद का गठन के अन्तर्गत प्राथमिक सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
5. यह आदेश वित्त अनुभाग-1 के पत्र संख्या- 308/वित्त अनुभाग-4/2006 दिनांक 27 जुलाई, 2006 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(नवीन चन्द्र शर्मा)  
सचिव

संख्या- 515(1)/XV-1/1(24)/2005-तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव को अपर मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तरांचल।
4. रजिस्ट्रार वेदनरी काउन्सिल, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
7. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-4।
8. निदेशक, NIC को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से  
(जे०पी० जोशी)  
उप सचिव